

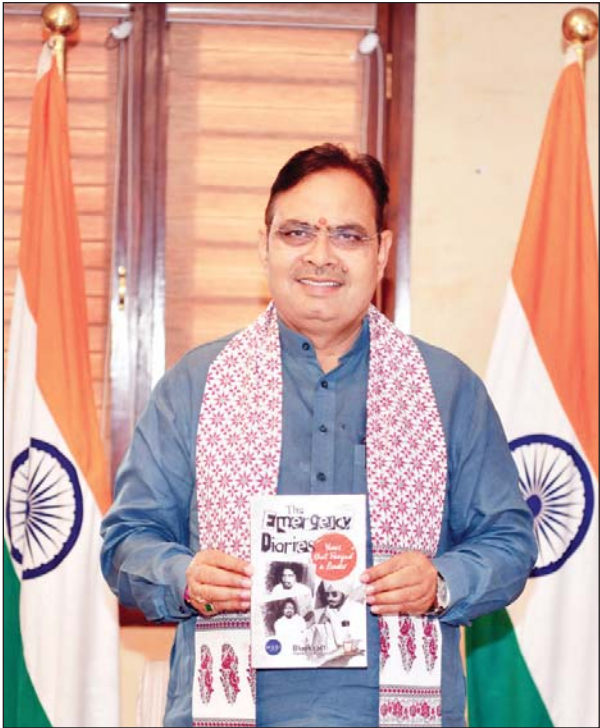
मुख्यमंत्री भजनलाल ने “इमरजेंसी डायरी” का विमोचन किया

जयपुर27 जून । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को “द इमरजेंसी डायरी, वो वर्ष जिन्होंने एक नेता को गढ़ा” पुस्तक का राजस्क्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित की गई है, जो देश के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे अंधकारमय कालखंड – आपातकाल – में युवा नरेन्द्र मोदी के संघर्षों और नेतृत्व क्षमता के उदय को रेखांकित करती है।

मुख्यमंत्री कार्यालय में पुस्तक का विमोचन करते हुए मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुस्तक में उस दौर के असली नायकों की जीवंत झलक प्रस्तुत की गई है।**

भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक न सिर्फ ऐतिहासिक तथ्यों का संग्रह है, बल्कि उस दौर के असली नायकों की जीवंत झलक भी प्रस्तुत करती है। पुस्तक में उन लोगों की प्रत्यक्ष कथाएं शामिल हैं, जिन्होंने आपातकाल के दौरान नरेन्द्र मोदी के साथ कार्य किया और उनके साहस, संगठन क्षमता और दूरदृष्टि को करीब से देखा। इसके साथ ही, इसमें दुर्लभ ऐतिहासिक दस्तावेज और अभिलेखीय सामग्री का भी समावेश किया गया है, जो इस पुस्तक और अधिक प्रामाणिक बनाते हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को “द इमरजेंसी डायरी, वो वर्ष जिन्होंने एक नेता को गढ़ा” पुस्तक का विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणादायक है, जो जान सकते हैं कि कैसे लोकतंत्र के संकट काल में भी कुछ नेता अडिग रहे और राष्ट्रिहत को सर्वोपरि रखा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लेखक, संपादक एवं प्रकाशक को इस महत्त्वपूर्ण कार्य के लिए बधाई दी और आशा जताई कि यह कृति देशभर में जागरूकता फैलाने का कार्य करेगी।

चीन, अमेरिका को “रेअर अर्थ” ...

(**प्रथम पृष्ठ का शेष**) बहुत बड़ा सम्मान माना जाता है। यह अकेली धमकी ही चीन की तरफ से अमेरिका को कई तरह की रियायतें दिलवाने में कामयाब रही, जिसमें चीन से आने वाले उत्पादों पर व्यापक आयात शुल्क भी शामिल है। लेकिन दूसरी ओर, चीन, भारत के लिए इन्हीं दुर्लभ खनिजों और मैंगनेस्ट के निर्यात को लगातार सीमित कर रहा है। वास्तव में, चीन ने भारत को किए जाने वाले, दुर्लभ खनिजों से लेकर विशेष उर्वरकों तक, कई वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों पर असर पड़ सकता है। चीन भारत को मुख्यतः एक बड़ा बाज़ार मानता है और इसमें अपनी पहुँच भी चाहता है, लेकिन भारत को अपनी निर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए जरूरी कच्चा माल देना नहीं चाहता। दोनों देशों के बीच यह एक सतत संघर्ष का विषय रहा है, क्योंकि उनके संबंध स्वाभाविक रूप से प्रतिद्वंद्वात्मक हैं। रणनीतिक रूप से चीन एशिया में अपने वर्चस्ववादी संसुद्धों के लिए भारत को एक बड़ी चुनौती मानता है। सन् 2020 में

गलवान घाटी की घटना के दौरान, चीन ने भारत के खिलाफ अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने की कोशिश की थी। तथापि, वास्तविक नियंत्रण रेखा (लाइन ऑफ़ एक्चुअल कंट्रोल) पर भारत ने जिस तरह से सैन्य प्रतिक्रिया दी, उससे चीन की उस योजना को झटका लगा। अब चीन अन्य तरीकों से दबाव बनाकर अपनी स्थिति फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहा है, जिसमें प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों के लिए जरूरी इनपुट सप्लाई पर नियंत्रण शामिल है। चीन ने भारत को टनल बोरिंग मशीनों (टी.बी.एम.) तक देना बंद कर दिया है, जो देश की कई महत्त्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए बेहद जरूरी हैं। बताया जा रहा है कि इन मशीनों की देर से आपूर्ति मुंबई-अहमदाबाद हाईवे जैसी बहु-करोड़ परियोजनाओं और हिमालय क्षेत्र में बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बी.आर.ओ.) की परियोजनाओं को बाधित कर सकती है। सन् 2020 की प्रसिद्धात्मक है। रणनीतिक रूप से चीन ने इन परियोजनाओं पर आपत्ति भी जताई थी। भारत ने भी चीन के इन कदमों के जवाब में उसके निवेशों पर रोक

लगाई थी। अब चीन से आने वाले किसी भी निवेश को मंजूरी लेना आवश्यक है, जबकि अन्य देशों के साथ यह शर्त नहीं है। इन प्रतिबंधों के बाद चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट आई है।

दूसरी तरफ, भारत ने भी व्यापारिक कूटनीतिक ज़रिए चीन को चोट पहुँचाने की कुछ कोशिशें की हैं, लेकिन ये प्रयास अभी भी कमजोर हैं, क्योंकि हम कई औद्योगिक इनपुट्स और आवश्यक सामग्रियों के लिए चीन पर निर्भर हैं। लेकिन एक बात है, जिसे चीन को भी गंभीरता से लेना होगा। भारत बड़ा आयातक है, खासकर चीन के संदर्भ में।भारत, चीन से कुल 113 अरब डॉलर का आयात करता है, जबकि चीन हमसे केवल 14 अरब डॉलर का ही आयात करता है। यह व्यापारिक घाटा लगभग 100 अरब डॉलर का है, जो चीन के पक्ष में है। भारत द्वारा चीन से आयात और व्यापार घाटे को माँग कुछ कम नहीं है। अमेरिका का चीन के साथ लगभग 450 अरब डॉलर का व्यापार घाटा है। हालाँकि, भारत की अर्थव्यवस्था बहुत छोटी है, फिर भी हम चीन की आर्थिक गतिविधि में अपेक्षाकृत काफी योगदान दे रहे हैं।

‘केवल भाषणबाजी, इच्छाशक्ति व ...

(**प्रथम पृष्ठ का शेष**) यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि संघर्ष विराम की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया गया या नहीं। जब दोनों पक्ष अपना-अपनी बात पर अड़े हों, तो संवाद की राह और संकरी हो जाती है। ट्रंप की डिप्लॉमियों से यह भी स्पष्ट हो गया कि अब वॉशिंगटन युद्ध का भार अकेले उठाने को तैयार नहीं है। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका सैन्य सहायता (संभवतः पैट्रियट मिसाइल सिस्टम) देना जारी रखेगा, लेकिन अब यूरोपीय सहयोगियों को कहीं बड़ी भूमिका निभानी होगी। शिखर सम्मेलन में नाटो सदस्यों ने अपने रक्षा खर्च को जीडीपी के 5 प्रतिशत तक बढ़ाने पर सहमति जताई, यह ऐसा लक्ष्य है, जिसे ट्रंप ने लंबे समय से जरूरी बताया है। संदेश साफ था, यूरोप अब अमेरिकी मदद को असीमित सुरक्षा गारंटी न माने।

हालाँकि रूस के साथ वार्ता शुरू करने के प्रयास जारी हैं पर ट्रंप ने माना कि रूस ने अब तक केवल सीमित संघर्ष विराम की बात की है, वह भी अस्वीकार्य क्षेत्रीय माँगों के साथ। उनके प्रशासन की कूटनीतिक कोशिशों से कीव और यूरोपीय देशों में चिंता बढ़ी है, जो जोर देते हैं कि किसी भी समाधान में यूक्रेन की पूरी भागीदारी होनी चाहिए। “यूक्रेन के बारे में बिना यूक्रेन के कुछ नहीं,” यह वाक्य अब एक स्पष्ट कूटनीतिक लक्षमण रेखा बन चुका है, और ट्रंप इसका उल्लंघन नहीं करना चाहते हैं।

इस बीच, नाटो का रूस के प्रति रवैया भी कुछ नरम हुआ है। जहाँ एक ओर गठबंधन ने सामूहिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और रूस को दीर्घकालिक खतरा बताया, वहीं इस वर्ष के सम्मेलन में क्रेमलिन

की आलोचना अपेक्षाकृत कम थी। यूक्रेन की आवाज़ भी पहले से धीमी रही, क्योंकि ध्यान अब बजट लक्ष्यों और ईरानी आक्रमकता जैसे अन्य भू-राजनीतिक मुद्दों पर केन्द्रित रहा

सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि इन बदलते समीकरणों ने पश्चिमी रणनीति की पुनर्समीक्षा शुरू कर दी है। ट्रंप के करीबी हलकों में यह चिंता बढ़ रही है कि रूस पर और प्रतिबंध लगाना उल्टा असर डाल सकता है। इससे क्रेमलिन पर दबाव तो बढ़ेगा, लेकिन साथ ही कूटनीतिक रास्ते भी बंद हो सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, “हम दबाव बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं चाहते कि सारे कूटनीतिक दरवाज़े ही बंद हो जाएं।”

ट्रंप के बयान उनके चुनावी भाषणों की निश्चिन्ता से बिल्कुल उलट थे। अब वे खुद स्वीकार कर रहे हैं कि

मुख्यमंत्री ने रबी में नुकसान पर 239 करोड़ रूपए स्वीकृत किए

जयपुर, 27 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि एवं कृषक- हित में निरंतर निर्णय ले रही है। किसानों का जीवनस्तर और बेहतर करने तथा उनकी आय में वृद्धि के लिए, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, गेहूँ को एमएसपी खरीद पर अतिरिक्त बोनस, अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋण तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा क्लेम

- प्रदेश के 8 जिलों के 143 गाँवों में 20 हजार किसानों को रबी के दौरान ओलावृष्टि से हुए नुकसान के लिए आदान-अनुदान की स्वीकृति प्रदान की गई है।**

वितरण जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने इसी क्रम में, प्रदेश के 143 गाँवों के 70 हजार 366 किसानों को बड़ी राहत देते हुए 239 करोड़ रूपये के आदान-अनुदान की स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि आपदा राहत कोष से वितरित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि रबी फसल सीजन 2024-25 में प्रदेश के 8 जिलों की 18 तहसीलों में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ था। मुख्यमंत्री ने संवेदनशील निर्णय लेते हुए इनकी त्वरित गिरादवरी करवाने के निर्देश दिए थे, जिसके पश्चात राज्य सरकार द्वारा 33 प्रतिशत से अधिक खराबे वाले 143 गाँवों को अभावाग्रस्त घोषित किया गया था।

ईरान ...

(**प्रथम पृष्ठ का शेष**) आकलन के आधार पर दी। ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, अगर इस कदम की पुष्टि हो गयी तो इसका मतलब होगा कि ईरान का 60 प्रतिशत शुद्धता वाला समृद्ध यूरैनियम का 408 किलोग्राम का अंधकारांध भंडार सुरक्षित है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने इसे सच करने का दावा किया है। फाइनेशियल टाइम्स ने यूरोपीय संघ के अधिकारियों के हवाले से कहा कि जिस समय हमला हुआ, उस समय ईरान का भंडार संभवतः अलग-अलग जगहों पर था। एक प्रारंभिक खुफिया रिपोर्ट में बताया गया कि क्रोम के निकट भूमिगत फ़ोर्ड सुविधा में व्यापक क्षति हुई है, लेकिन पूरा विध्वंस नहीं हुआ। ईयू के अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की परमाणु क्षमताओं की वर्तमान स्थिति के बारे में यूरोपीय सहयोगियों को निश्चित खुफिया जानकारी नहीं दी है।

जुलाई के पहले सप्ताह में विदेश यात्रा पर जाएंगे प्र.मंत्री मोदी

प्रधानमंत्री 8 दिन में पांच देशों की यात्रा करेंगे

नयी दिल्ली, 27 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो से नौ जुलाई तक पांच देशों –घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना,ब्राजील तथा नामीबिया की आठ दिन की यात्रा पर जायेंगे। यह प्रधानमंत्री की घाना की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। वह ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

भारतीय प्रधानमंत्री की घाना यात्रा तीन दशकों के बाद हो रही है। यात्रा के दौरान मोदी घाना के राष्ट्रपति के साथ मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा और आर्थिक, ऊर्जा, रक्षा तथा विकास सहयोग को साझेदारी के माध्यम से और बढ़ाने के लिए आगे के अवसरों पर चर्चा करेंगे। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने और 'पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय' तथा अफ्रीकी संघ के साथ भारत की भागीदारी को मजबूत करने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगी।

यात्रा के दूसरे चरण में तीन से चार जुलाई तक प्रधानमंत्री त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य के प्रधान मंत्री के निमंत्रण पर वहां जायेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में उनका इस देश का पहला दौरा होगा। यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन काराला कंगालू और प्रधानमंत्री महामहिम कमला परसाद-बिसेसर के साथ वार्ता करेंगे। वे भारत-त्रिनिदाद और टोबैगो संबंधों को और मजबूत

- ये पांच देश हैं घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील व नामीबिया।**
- ब्राजील में मोदी 17 वें ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेंगे।**

करने पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा वहां की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किये जाने की भी उम्मीद है। मोदी, यात्रा के तीसरे चरण में चार से पांच जुलाई तक अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर वहां की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। मोदी, राष्ट्रपति माड्रीले के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, जिसमें सहयोग की समीक्षा की जाएगी और रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और निवेश तथा लोगों के बीच संबंधों सहित, प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अर्जेंटीना साझेदारी को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री यात्रा के चौथे चरण में ब्राजील के राष्ट्रपति महामहिम लुईस इनासियो लुला दा सिल्वा के निमंत्रण पर 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 5 से 8 जुलाई तक ब्राजील की यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री की ब्राजील की चौथी यात्रा होगी। ब्रिक्स

पुरी में भगवान जगन्नाथ की यात्रा का धूमधाम से शुभारंभ हुआ

पुरी, 27 जून। ओडिशा में पुरी स्थित विश्वप्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के पीठासीन देवताओं, भगवान जगन्नाथ भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का नौ दिवसीय प्रवास आज सुबह 'हरिबोल' और 'जय जगन्नाथ' के जयघोष और मंदिर नगरी में मंजीरों की लयबद्ध झंकार के बीच शुरू हुआ।

दुनियाभर में विख्यात इस वार्षिक रथ यात्रा को देखने के लिए लाखों श्रद्धालु इस तीर्थ नगरी में आए हुए हैं। वे 12वीं शताब्दी के मंदिर के 'लयांस गेट' से गुंडिचा मंदिर तक फैले तीन

किलोमीटर लंबे बड़ा डांडा (विशाल मार्ग) ग्रैंड रोड पर एकत्रित हुए। दैनिक अनुष्ठान पूरा होने के बाद सबसे पहले भगवान सुदर्शन के साथ दैवीय रूपों वाले भाई-बहनों को गोपाल भोग (नाश्ता) अर्पित किया गया। इसके बाद उन्हें भव्य जुलूस के रूप में गर्भगृह (रत्न वेदी) से बाहर लाया गया, जिसे पहाड़ी बिजे के नाम से जाना जाता है। फिर उन्हें मंदिर के बाहर खड़े उनके सुसज्जत रथों तक ले जाया गया। सैकड़ों मंदिर सेवकों ने देवताओं को अपने कंधों पर उठाकर सिंह द्वार तक पहुंचाया।

आपके प्रियजनों को आज ही नामांकित करें, उनका कल सुरक्षित बनाएँ

नामांकन यह सुनिश्चित करता है कि आपकी मृत्यु के बाद आपके प्रियजनों को बिना किसी परेशानी के आपकी वित्तीय परिसंपत्तियाँ प्राप्त हो जाएँ

- अपने बैंक खाते, लॉकर और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए अपना नामांकन करें
- नामांकन के विवरण की जाँच बैंक से की जा सकती है

अधिक जानकारी के लिए, <https://rbikehtahai.rbi.org.in/nf> पर विजिट करें
फीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

गैंगस्टर की मां की गोलीमार कर हत्या, बॉडीगार्ड भी मारा गया

बटाला (पंजाब), 27 जून। पंजाब के बटाला में देर रात कादियां रोड पर स्थित एक बेकरी के पास गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां और उनके बॉडीगार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामला गैंगवार से जोड़ा जा रहा है। दबिंदर बंबीहा गैंग ने हत्या की जिम्मेदारी ली है।

आरोपी दो बाइकों पर आए थे। उन्होंने कार के बिल्कुल नजदीक जाकर गोली चलाई। फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गोली लगने से

- घटना पंजाब की है और मृतका हरजीत कौर जेल में बंद गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां है।**

घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, महिला की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों पर केस दर्ज कर लिया है। लॉरेंस के विरोधी बंबीहा गैंग से जुड़े 3 गैंगस्टरों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इसकी जिम्मेदारी ली है। इनमें 2 गैंगस्टर प्रभू दासुवाल और कौशल चौधरी हरियाणा के हैं। पुलिस इस घटना को आपसी गैंगवार से जोड़कर देख रही है, क्योंकि जग्गू पंजाब में लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय रहा है। कई विरोधी गैंग से उसका टकराव रहा है।

 SBI भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फ़ोन: 022-22820427
परिचीक्षाधीन अधिकारियों की भर्ती
भारतीय स्टेट बैंक में परिचीक्षाधीन अधिकारियों के पद पर नियुक्ति के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.
रिक्तियों की संख्या : 541
पात्रता मानदंड (आयु, शैक्षणिक योग्यता, आदि), आवश्यक शुल्क, ऑनलाइन आवेदन करने एवं ऑनलाइन शुल्क भुगतान के लिए बैंक की वेबसाइट https://bank.sbi/careers/
current-openings पर विज्ञापन क्र. CRPD/PO/2025-26/04 के अंतर्गत लिंक उपलब्ध है. प्रत्याशियों को परामर्श दिया जाता है कि वे विस्तृत विज्ञापन देखें और आवेदन करने एवं शुल्क भुगतान करने से पहले अपने पात्रता मानदंडों और अन्य विवरणों को सुनिश्चित कर लें.
ऑनलाइन पंजीकरण और शुल्क के भुगतान की तिथि: 24.06.2025 से 14.07.2025
किसी भी तरह की पुष्टाष्ट करने के लिए कृपया हमें “CONTACT US” लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो ऊपर जल्लिखित बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है.
स्थान: मुंबई
दिनांक: 24.06.2025
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)